तापमान
अधिकतम 37 .1 डिग्री
न्यूनतम 20 .9 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 17 अगस्त, 2025

12 अंबाला से फूटी थी स्वतंत्रता आंदोलन की पहली चिंगारी

12 हरियाणा पुलिस सशस्त्र मधुबन की टुकड़ी ने मारी बाजी

खबर संक्षेप

मंदबुद्धि युवक के साथ किया सामूहिक कुकर्म

यमुनानगर। रादौर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत में बताया कि उसका 31 वर्षीय लड़का मंदबुद्धि है। उनकी कालोनी के ही रोहित, कृष्ण व गौरव ने उसके लड़के को बहला फुसला कर उसके साथ गलत काम किया। आरोपी गत अप्रैल माह से अब तक उसके लड़के के साथ गलत काम करते आ रहे हैं। जब उसके लड़के की तबीयत खराब हुई तो उसने इस बारे पूछा। उसके लड़के ने बताया कि रोहित, कृष्ण व गौरव ने उसके साथ गलत काम किया है।

महिला को नशीली चाय पिलाकर किया दुष्कर्म

यमुनानगर। जगाधरी की एक कालोनी निवासी 26 वर्षीय महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी चुन्ना भट्टी जगाधरी निवासी साजन के साथ जान पहचान थी। जुलाई 2024 को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। इस दौरान आरोपी ने उसे चाय में नशीला पदार्थ पिला दिया। जिसे पीते ही वह बेसुध हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।उसने जब आरोपी का विरोध किया तो आरोपी ने उसे इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत

पानीपत। खेल प्रेमियों ने आज बैंकॉक से ताइक्वांडो चैंपियनशिप में पदक जीतकर लौटे खिलाडिय़ों का स्वागत किया। यह सभी 4 खिलाड़ी यामिन इंटरनेशनल स्पोर्ट्स अकादमी के थे। जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन किया। खिलाडिय़ों साहिल, अजय, प्रभनूर सिंह मुल्तानी और भूपेंद्र शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय कोच यामिन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में खिलाडिय़ों को बहुत अनुभव प्राप्त हुआ।

अल्फा सिटीवासियों का डीसी आवास पर धरना

करनाल। शनिवार को अल्फा सिटी के लोगों का गुस्सा जिला प्रशासन पर टूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग डीसी आवास के बाहर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए। लोगों ने आरोप लगाया कि कॉलोनाइज़र ने नक्शा पास कराते समय कॉलोनी का रास्ता ही बंद कर दिया। जबकि यह कॉलोनी वर्ष 2005 में बसी थी और दिसंबर 2024 तक रास्ता लोगों के लिए खुला था। करीब दो घंटे तक चले धरने के बाद मौके पर एसडीएम करनाल पहुंचे। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद लोगों ने धरना समाप्त कर दिया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कुरुक्षेत्र की गुर्जर धर्मशाला में पहुंचे हरियाणा के मुख्यमंत्री

हमारे संस्कारों से जुड़ एकजुटता और भाईचारे का संदेश देता है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व : नायब सैनी

प्रदेशवासियों को दी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की बधाई देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमारी संस्कृति से जुड़ा है, हमारे संस्कारों के साथ जुड़ा है। जो हमें एकजुटता व भाईचारे का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार सुबह कुरुक्षेत्र में गुर्जर धर्मशाला में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में पहुंचने पर गुर्जर धर्मशाला के प्रधान ऋषिपाल कसाना, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर व वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर सहित समाज के भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का अभिनंदन किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की इस पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन पहुंच कर उन्हें बेहद खुशी का एहसास हो रहा है। जन्माष्टमी का यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण जी के जन्म का उत्सव तो है ही, साथ ही यह हमें गीता के अमर संदेश की भी याद दिलाता है।

- कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर दिया श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश

मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित पँक्तियों में मां यशोदा की गोद में, चांद सा मुख चमकाए। नन्हा कन्हैया माखन चुराकर सबको नाच नचाए। सत्य, धर्म और प्रेम का संदेश दिया संसार। आज भी कान्हा की लीला करती जग उद्धार। के माध्यम से आज भी उनके संदेश को प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि यह वही भूमि है, जहां महाभारत का युद्ध हुआ था। यह वही धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता का वह ज्ञान, जो कर्म का महत्व, धर्म की रक्षा और सत्य की विजय का संदेश देता है, आज भी हमारे जीवन में प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज, जब हम नए हरियाणा के निर्माण की बात करते हैं, तो यह गीता का संदेश ही है, जो हमें प्रेरित करता है। हम सबको मिलकर अपने राज्य के विकास के लिए काम करना है, अपने कर्तव्यों का पालन करना है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से हमें समरसता का भी संदेश मिलता है। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। वे अमीर गरीब, ऊंच नीच, छोटे बड़े, सभी के लिए समान थे। उनका यही संदेश हमें आज भी प्रेरित करता है कि हम सब मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें, जहां कोई भेदभाव न हो, जहां सभी लोग एक-दूसरे के साथ प्यार और सम्मान से रहें। आज हरियाणा भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर एक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का प्रयास है कि विकास के साथ हमारी संस्कृति का भी संरक्षण हो। इसके लिए कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण महोत्सव व अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। गीता के पावन संदेश को मानव मात्र तक पहुंचाने के लिए विदेशों में भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का गोकुल से जुड़ाव और गोपालक परंपरा गुर्जर समाज की सांस्कृतिक धारा में रचा-बसा है। गुर्जर समुदाय ने सदैव अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेज कर रखा है। गुर्जर समाज का इतिहास पराक्रम, त्याग और परिश्रम से भरा हुआ है। जिस तरह श्रीकृष्ण जी ने ग्वाल-बालों के साथ मिलकर एकजुटता और भाईचारे का संदेश दिया, ठीक वैसे ही गुर्जर समाज ने हर दौर में एकजुट होकर समाज और राष्ट्र हित में काम किया है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों पर चलें।

कुरुक्षेत्र। गुर्जर धर्मशाला में पगड़ी पहनाकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सम्मान करते आयोजक तथा लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

वाजपेयी को पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने राजनीतिक जीवन में जिस शालीनता का परिचय दिया, वह आज भी अनुकरणीय है। उन्होंने विपक्ष में रहते हुए विकास के लिए लोगों के हितों की आवाज उठाई। जबकि आज देश के विपक्ष को लोगों का फायदा होने पर तकलीफ होने लगती है। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर व भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक कुमार गुर्जर ने संबोधित किया।

सैनी ने झुलाया कान्हागी को झूला

कुरुक्षेत्र। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा जन्माष्टमी का त्योहार गीता ज्ञान संस्थानम परिसर में स्थित श्रीकृपा बिहारी मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर को भव्य रोशनी से सजाया गया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कृपा बिहारी मंदिर में कान्हाजी को झूला झुलाया और गीता मनीषी से आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं श्रद्धालु भी सुबह से कान्हा को झूला झुलाने के लिए बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर में दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने श्री कृपा बिहारी के दर्शन किए। जन्माष्टमी पर्व समिति के संयोजक हंसराज सिंगला ने बताया कि इस अवसर पूरे संस्थानम को फूलों और रोशनी से सजाया गया है। राधा और कृष्ण के भजनों से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। कान्हा जन्म होते ही नंद के घर आनंद भयो के भजन पर श्रद्धालु झूम उठे। संस्थानम की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का प्रबंध किया गया था। उधर, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी की तिथि सौभाग्यशाली है। इस तिथि पर हमें भगवान श्री कृष्ण के अवतार के रूप में एक असाधारण उपहार मिला। जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के अवतार का पर्व है। उनका अवतार अंधकार में प्रकाश की प्रेरणा बनकर हुआ। जेल के ताले आनंद और भावना बनकर चेतना के द्वार खोल गए। उन्होंने कहा कि जहां श्रीकृष्ण अवतार होता है, वहां दुष्प्रवृत्तियां सो जाती है और सद्वृत्तियां जाग जाती है। ये अवतार परंपराओं के संरक्षण का अवतार है। वृंदावन धाम में श्री कृष्ण ने बांसुरी के स्वर उड़ेले और कुरुक्षेत्र में आकर इन स्वरों का गीता ज्ञान का दिव्य रूप दिया। गीता ज्ञान के रूप में उनका अवतार उस समय के लिए ही नहीं बल्कि आज और भविष्य के लिए भी प्रासंगिक है। गीता मनीषी ने लोगों से गीता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कुरुक्षेत्र। कृपा बिहारी मंदिर में कान्हाजी को झूला झुलाते मुख्यमंत्री नायब सैनी।

भतीजी की सहेली बनकर महिला से ठगे सात लाख

- ऑस्ट्रेलिया में वीजा खत्म होने की बात कह कर झांसे में लिया
- अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

साइबर ठगों ने व्यासपुर की गीता कॉलोनी निवासी बाला देवी से उसकी भतीजी की सहेली बनकर सात लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ठगों ने ऑस्ट्रेलिया में वीजा खत्म होने की बात कह कर उसे झांसे में लिया था। इसके बाद एजेंट को पैसे भेजना की बात कह कर पैसे अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए।

थाना व्यासपुर की गीता कॉलोनी की रहने वाली बाला देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 10 जुलाई को उनके मोबाइल पर विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाली युवती ने अपना नाम रुही बताया और कहा कि वह गांव सनैरियो की रहने वाली है और इस समय ऑस्ट्रेलिया में स्टडी वीजा पर पढ़ाई कर रही है। साथ ही बताया कि वह उनकी भतीजी की सहेली है। फिलहाल उसका वीजा खत्म हो गया है। कॉल पर रोते-रोते बोली कि इस बारे में उनकी भतीजी को न बताएं। बाला देवी ने बताया कि इसके बाद रूही ने कहा कि वह नौ लाख रुपये उनके खाते में भेज रही है, जिसे भारत में वह उसके एजेंट को देना होगा।

महिला ने खाता नंबर भेज दिया। थोड़ी देर बाद उसके मोबाइल पर नौ लाख रुपये जमा होने की फर्जी रसीद भी भेज दी गई। इसके बाद एजेंट ने उनसे संपर्क कर विभिन्न बैंक खातों में सात लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। साथ ही एजेंट ने नौ लाख की एवज में टैक्स के नाम पर 1.80 लाख रुपये और ट्रांसफर करने को कहा। इस पर उसे ठगी का संदेह हुआ और उसने परिवार के अन्य सदस्यों से बात की। जब परिजनों ने एजेंट के नंबर पर कॉल की तो उसने फिर कॉल रिसीव ही नहीं की। इसके बाद उसने मामले की सूचना थाना साइबर क्राइम में दी। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हवलदार ने नौकरी का झांसा देकर ठगे 6.61 लाख रुपये

- पीड़ित के बेटे को एमईएस में नौकरी दिलवाने की कही बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पहले पिता की बीमारी और फिर बेटे की नौकरी लगवाने के नाम पर 6.61 लाख रुपये की धोखाधड़ी हो गई। अंबाला छावनी के आनंद नगर के सेवानिवृत सूबेदार बलविंदर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने हवलदार संजीत देबनाथ के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बलविंदर सिंह ने बताया कि उसकी मुलाकात दिल्ली में बीआरओ में तैनात संजीत देबनाथ से हुई थी।

उसने पिता की बीमारी का बहाना बनाकर अलग-अलग दिनों में 41 हजार रुपये ले लिए। उसने आश्वासन दिया कि वो तनख्वाह मिलते ही रुपये लौटा देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उसने कहा वो चीफ इंजीनियर कोलकाता जोन एमईएस में तबादले पर जा रहा है। वहां एमईएस में भर्ती निकली है। इस दौरान उसने लड़के का मोबाइल नंबर ले लिया। आरोपी ने उसके लड़के से सभी जरूरी दस्तावेज ई-मेल पर मंगवा लिए।

संजीत देबनाथ ने रुपयों की मांग शुरू कर दी। उसे अलग-अलग दिनों में रुपये भेजते रहे लेकिन काम नहीं हुआ। इस दौरान उसने नकली नियुक्ति पत्र और हवाई जहाज की टिकटें भेज दीं। जब उन्होंने संजीत देबनाथ से रुपये वापस मांगे तो वह बहाने बनाने लगा। इसके बाद उसने फोन उठाना बंद कर दिया। बलविंदर सिंह ने बताया कि उसे कुल सात लाख 16 हजार रुपये दिए थे लेकिन उन्हें मात्र 45 हजार रुपये मिले हैं। आरोपी ने उससे 6.61 लाख रुपये की ठगी की है।

हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा एक को करेगा सीएम आवास का घेराव

- बैठक में किसानों की मांगों व समस्याओं पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा से जुड़े किसान संगठनों ने सीएम आवास के घेराव का एलान कर दिया है। जाट भवन में हुई मीटिंग में किसानों की मांगों व समस्याओं पर चर्चा करने के बाद एक सितंबर को सीएम आवास के घेराव का निर्णय लिया गया। इस दिन किसान सुबह 10 बजे से ताऊ देवीलाल पार्क में इक्टठा होना शुरू हो जाएंगे। इसके बाद प्रदर्शन करते हुए सीएम आवास पर पहुंचेंगे।

भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम के प्रवक्ता बहादुर मेहला ने यह जानकारी दी। बैठक में मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि बीती आठ अगस्त को पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर प्रदर्शन कर अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए थे। खेद की बात है कि सरकार ने किसानों की अनदेखी की और मांग पत्र पर विचार नहीं किया। किसानों को वार्ता के लिए भी नहीं बुलाया गया। खाद वितरण में पोर्टल की कंडीशन खत्म की जाए और 15 सितंबर से धान की खरीद शुरू की जाए। किसानों ने कहा कि सरकार हर रोज किसानों पर नए-नए कानून थोप रही है जैसे खाद पर पोर्टल की कंडीशन लागू करना, धान की खरीद समय पर शुरू न होना।

कुरुक्षेत्र। बैठक में मौजूद किसान। फोटो : हरिभूमि

गिरदावरी की मांग

फिजी वायरस से हुए धान की खराब फसल का उचित मुआवजा स्पैशल गिरदावरी करवाकर दिया जाए। फसलों की समय पर खरीद और एमएसपी की गारंटी दी जाए। नकली बीज,कीटनाशक पर रोक और वितरण में पारदर्शिता लाई जाए। नहरों, ड्रेनों की सफाई और सिंचाई सुविधाओं में सुधार किया जाए। ट्यूबवेल कनेक्शन में अनावश्यक प्रक्रियाएं समाप्त की जाए। बिजली बिल और स्मार्ट मीटर योजना को वापस लें।

जिला पानीपत की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आयोजित

भाजपा में कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान: मनोहर

- स्वदेशी आंदोलन में अपना योगदान दें युवा : महीपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

सनातन धर्म महाविद्यालय के सभागार में भाजपा जिला पानीपत की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने की। केन्द्रीय ऊर्जा, आवास और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल और प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे।

इससे पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कार्यक्रम में पहुँचने पर केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और जिला भाजपा के अब तक हुए कार्यक्रमों और भविष्य में करवाए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। नगर निगम महापौर कोमल सैनी ने प्रथम सत्र को, प्रदेश महामंत्री डॉ.अर्चना गुप्ता ने द्वितीय सत्र को, पूर्व सांसद संजय भाटिया ने तृतीय सत्र को, प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने चतुर्थ सत्र को, केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने पंचम सत्र को और हरियाणा के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने छठे सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया।

सभी वक्ताओं ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प.दीनदयाल उपाध्याय, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मंगलसेन को भी सभी वक्ताओं ने बार-बार याद किया। केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल व अन्य अतिथियों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि भाजपा जहां विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है वहीं विश्व की सबसे बड़ी अनुशासित पार्टी भी है। पार्टी में कार्यकर्ताओं का पूरा मान-सम्मान होता है और पार्टी कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है। मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि देश को एक आत्मनिर्भर समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए स्वदेशी को अपनाना होगा। इसलिए सभी कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों के साथ-साथ स्वदेशी आंदोलन को भी आगे बढ़ाने में योगदान दें।

पानीपत। बैठक में मौजूद पदाधिकारी तथा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिम संचालक पर जानलेवा हमला बाजू और टांग टूटी

यमुनानगर। जगाधरी के सेक्टर-15 में बीती रात जिम संचालक पर चार-पांच हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर उसका मुंह दबाकर पास की झाड़ियों में खींच कर ले गए और करीब पंद्रह मिनट तक डंडों से बुरी तरह पीटा। इस दौरान जिम ऑनर की बाजू और टांग टूट गई। गंभीर हालत में उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेक्टर-15 स्थित डिंपल सिनेमा के नजदीक जिम चलाने वाले इंद्र सिंह ने बताया कि वह शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे जिम बंद कर घर जाने को बाहर निकला और अपनी अपनी कार के पास पहुंचा तो एक युवक उनके पास आया और बोला क्या हाल हैं। वह कुछ समझ पाता कि इससे पहले ही पीछे से एक अन्य युवक ने उसका मुंह दबाकर झाड़ियों की ओर खींच लिया और फिर अन्य हमलावरों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से उस पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

- मायके वालों ने पति पर लगाया मुंह पर तकिया रखकर मौत के घाट उतारने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना छप्पर क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने दहेज के लिए मृतका के पति पर मुंह पर तकिया रख कर मौत के घाट उतारने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

गांव सारण निवासी देशराज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले साल अगस्त में उसने अपनी बेटी परमजीत कौर की शादी कस्बा छप्पर के रहने वाले अंकुश के साथ कर दी थी। दहेज के लिए परमजीत को परेशान करना शुरू कर दिया। देशराज का आरोप है कि इसी बात को लेकर उसकी बेटी के साथ मारपीट भी की जाने लगी। जिसकी वजह से पति-पत्नी के बीच रिश्ते में भी खिंचाव आ गया था। शुक्रवार दोपहर करीब पौने 12 बजे उसे अंकुश ने कॉल कर सूचना दी कि परमजीत ने जहर खा लिया है, जो सुनकर वह हक्का-बक्का रह गया। जब वह जगाधरी में अंकुश के बताए गए अस्पताल में पहुंचा तो उसकी बेटी की मौत हो चुकी थी।

आरोपी पति गिरफ्तार

देशराज ने बताया कि अंकुश ने परमजीत के मुंह पर तकिया रख कर उसकी हत्या की है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले में अंकुश के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सजी सुंदर झांकियां

धूमधाम से मनाया जिले भर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

यमुनानगर । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में मटकी फोड़ने समेत अन्य झांकियां निकालते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

- नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गोपियों व राधा श्रीकृष्ण का वेशधारण कर सभी को किया मंत्रमूग्ध
- मंदिरों में सुबह से ही भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शनिवार को जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया और शहर के विभिन्न स्थानों पर झांकियां सजाई गई। विशेषकर कई मंदिरों में बहुत ही सुंदर ढंग से ठाकुर जी की झांकियों को सजाया गया जो कि सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही। पर्व के मौके पर मंदिरों में दिन भर भजन कीर्तनों का आयोजन होता रहा। श्रीबांके बिहारी मंच के तत्वावधान में शहर में सेवा शिविर लगाया गया। जिसमें शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को जलपान करवा कर सेवा की गई।

मंदिरों में सजाई गई झांकियां

शहर के श्रीगोपाल मंदिर, श्रीगणेश मंदिर, श्री गीता भवन मंदिर, इस्कॉन मंदिर, श्री लालद्वारा मंदिर, रघुनाथ मंदिर, मॉडल टाऊन स्थित श्रीसत्यनारायण मंदिर, श्री प्राचीन देवी मंदिर समेत रादौर, साढ़ौरा, बिलासपुर, प्रतापनगर, छछरौली व सरस्वती नगर आदि स्थित मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी समेत ठाकुर की झांकियों को आकर्षक रुप से सजाया गया। ठाकुर को चंडौल में बिठाया गया और उन्हें फल, फूल, पेड़ और अन्य मिष्ठान का भोग लगाया गया। इस दौरान कई मंदिरों में भी श्रीकृष्ण के विभिन्न रूपों में सजे बच्चों ने सभी को अपना आशीर्वाद दिया। श्री कान्हा जी के मंदिर में कथा का आयोजन किया गया जिसमें बाहर से आए कथावाचकों ने श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण के रंग में डुबो दिया।

घरों में भी सजा कान्हा जी का दरबार

जिले के ग्रामीण इलाकों में अधिकांश घरों में ठाकूर का दरबार सजाया गया। जिसमें ठाकूर की आकर्षक रुप से झांकिया सजाई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने ठाकूर का आकर्षक पोशाकें पहनाकर श्रृंगार किया और उन्हें पेड़े, चौलाई के लड्डू और फल व फूल समेत अन्य खाद्य पदार्थों का भोग लगाया है। कई घरों में नन्हें मुन्ने बच्चों ने राधा का वेश धारण कर ठाकूर की पूजा अर्चना की।

शोभा यात्रा का भी भव्य आयोजन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जिले के कई स्थानों पर शोभायात्रा भी निकाली गई। जिसमें कई मंदिरों व संस्थाओं की सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। इसके लिए जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए गए। जहां से भी शोभायात्रा निकाली श्रद्धालुओं की कतारें लगी रही। बाजार में भी खूब रौनक रही तथा जमकर श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन किए।

खबर संक्षेप

जिला बार एसोसिएशन जगाधरी ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

यमुनानगर। जिला बार एसोसिएशन जगाधरी द्वारा बार परिसर में 79वां स्वत्रंता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्यातिथि एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश चंद्र डिमरी ने ध्वजा रोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता विक्रांत सिंह चौहान ने की। मौके पर जिला न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद रहे।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

यमुनानगर। सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। गांव बनी निवासी सूरज कुमार ने रादौर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका भाई 32 वर्षीय सोहन पाल 15 अगस्त को सुबह 10 बजे बाइक पर जा रहा था। घेसपुर के पास पहुंचा तो तेज गति से आ रहे कार चालक ने भाई सोहन पाल की बाइक को टक्कर मार दी। उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। भाई को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसके भाई को मृत्यु घोषित कर दिया। उधर, अग्रसेन चौक जगाधरी निवासी नरेंद्र पाल ने बताया कि उसका चाचा लाल द्वारा भारत कॉलोनी निवासी जागीर सिंह एक्टिवा से जा रहा था। जब वह अग्रसेन चौक के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन चालक हकीम ने उसके चाचा की एक्टिवा को वाहन से टक्कर मार दी। चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान चाचा की मौत हो गई।

79वें राष्ट्रीय पर्व स्लतंत्रता दिवस के अवसर पर जगाधरी नई अनाज मंडी में हुआ जिलास्तरीय समारोह

विकसित भारत के चार स्तंभ युवा, अन्नदाता, महिला व गरीब को सशक्त बनाने में प्रदेश सरकार ने उठाए विशेष कदमः विज

- जिलास्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में हरियाणा के उर्जा मंत्री अनिल विज ने किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए विकसित भारत के चार स्तंभ युवा, अन्नदाता, महिला और गरीब को सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डंबल इंजन सरकार हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए विकसित भारत के संकल्प के साथ साल 2047 तक एक विकसित हरियाणा का स्पष्ट रोडमैप लेकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यमुनानगर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित जिलास्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड़ की सलामी ली। मौके पर उन्होंने ज्ञात अज्ञात शहीदों को नमन किया और शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उन्होंने 10 लाख रुपये प्रोत्साहित स्वरूप अपने स्वैच्छिक कोष से राशि देने की घोषणा की।

उर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज हम उन ज्ञात अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया। जब जब दुश्मन ने हमारी अस्मिता को चुनौती दी है। हमारे वीर जवानों ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हमारी आत्मा को झकझोर दिया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंकवाद को उसकी ही जमीन पर जवाब दिया और दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। साथ ही रेवाड़ी में एक सैनिक संग्रहालय भी बनाने का प्रस्ताव है। हरियाणा की धरती वीरता की प्रतीक रही है। विधायक ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में हुए क्रांतिकारी बदलाव प्रधानमंत्री के साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैं। पीएम किसान सम्मान निधि समेत अनेको जनकल्याणकारी योजनाएं शुरु की गई हैं। प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित किए जा रहे हैं।

यमुनानगर । जगाधरी अनाज मंडी में आयोजित जिलास्तरीय स्वतंत्रता समारोह में परेड़ की सलामी लेते हुए व परेड़ का निरीक्षण करते हुए उर्जा मंत्री अनिल विज।

आरक्षण का पुनर्विभाजन कर वंचितों को दिया अधिकार

उर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार ने अनुसूचित जातियों में आरक्षण का पुनर्विभाजन कर वंचितों को अधिकार दिया है और पिछड़ा वर्ग की क्रीमीलेयर सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की गई। स्वामित्व योजना के तहत 20 साल से अधिक समय से काबिज ढुकानों व मकानों का मालिकाना हक दिया गया। उन्होंने बताया कि वन महोत्सव और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 2 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा रहे हैं। गांवों में ठोस.तरल कचरा प्रबंधन, 2 हजार 88 अमृत सरोवर और भूजल रिचार्ज जैसी परियोजनाएं क्रियान्वित की हैं। फरीदाबाद व करनाल को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है। विज ने कहा कि हम संकल्प लें कि हर चुनौती में देश की गरिमाए अखंडता और स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे और आने वाले कल के लिए सशक्त, आत्मनिर्भर, विश्व में अग्रणी भारत की नींव रखेंगे। क्योंकि यही हमारे शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विज ने जगाधरी पुलिस लाईन में जाकर शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यमुनानगर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को उनके पास जाकर सम्मानित भी किया। बच्चों को भी सम्मानित किया। मौके पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, आयुक्त नगर निगम अखिल पिलानी, एडीसी नवीन आहूजा व एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ आदि मौजूद रहे।

अंबाला में बनाया जा रहा शहीद स्मारक

उर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार ने अक्तूबर 2014 से जून 2025 तक 410 शहीदों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी दी है। नौजवानों को सेना में भर्ती की तैयारी के लिए चरखी दादरी, हिसार और यमुनानगर में सशस्त्र बल तैयारी संस्थान खोलने का निर्णय लिया हैं। साथ ही रेवाड़ी में एक सैनिक संग्रहालय भी बनाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि 10 मई 1857 को अंबाला से उठी आजादी की चिंगारी ने पूरे देश में स्वतंत्रता की अलख जगा दी। उसी गौरवशाली स्मृति को संजोने के लिए अंबाला छावनी में आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक बनाया जा रहा है।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर

उर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज भारत केवल सांस्कृतिक और सैन्य शक्ति ही नहीं है। बल्कि आर्थिक ताकत के रूप में भी उभर रहा है पिछले 11 वर्षों में देश में हुए क्रांतिकारी बदलाव प्रधानमंत्री के साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैं। पीएम किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास, पीएम सूर्य घर और पीएम गरीब कल्याण अन्न योजनाएं जैसी पहलों ने करोड़ों भारतीयों को सम्मान, बराबरी और आत्मनिर्भरता का अवसर दिया है। ऐतिहासिक फैसलों ने देश को नई दिशा दी है। भगवान श्री राम लला मंदिर निर्माण, तीन तलाक की कुप्रथा का अंत और अनुच्छेद 370 व 35ए हटाकर जम्मू कश्मीर को अखंड भारत में शामिल करना देश की एकता और सम्मान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि म्हारा गांव जगमग गांव के तहत 24 घंटे बिजली देने की सफल योजना लागू की गई है। हर घर नल से स्वच्छ जल, हैप्पी कार्ड से मुफ्त यात्रा, श्रमिकों को वित्तीय सहायता, किसानों को बोनस और मुआवजा जैसे कदम हमारी प्रतिबद्धता के साक्षी हैं। बिना पर्ची बिना खर्ची के अब तक 1 लाख 80 हजार युवाओं को नौकरियां दी गई हैं। अनुबंध कर्मचारियों को सुरक्षा मिली है और योगयुक्त नशा मुक्ति अभियान से लाखों युवाओं को नई दिशा दी गई है। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गांव गांव इंडोर जिम, खेल नर्सरी और योगशालाएं बनाई जा रही हैं। हरियाणा आज ओलंपिक विजेताओं को देश में सबसे अधिक पुरस्कार राशि देने वाला राज्य है। वहीं, लाडो सखी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं से दो लाख से अधिक महिलाएं आत्म निर्भर बनी हैं। अटल किसान मजदूर कैंटीन और वीटा बिक्री केंद्र महिलाओं को सौंपे गए हैं तथा 131 महिला सांस्कृतिक केंद्र खोले गए हैं। गरीब महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिए गए हैं।

व्यासपुर में हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

यमुनानगर। जिले के व्यासपुर में जिला परिषद चेयरमैन रमेश चंद ठसका ने राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। जिला परिषद के चेयरमैन रमेश चंद ठसका ने कहा कि कहा कि आज का यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं है। बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन हैए जो हमें याद दिलाता है। मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। आज पूरा भारत तिरंगामय है। हर गली हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है और हर कोने में देशभक्ति की गूंज है। तिरंगा हमारे इतिहासए संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज हम उन ज्ञात अज्ञात शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जिन्होंने आजादी से पहले और बाद में भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। ठसका ने कहा कि हरियाणा की धरती केवल खेती.बाड़ी में ही नहीं है। बल्कि वीरता में भी अग्रणी रही है। इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि 10 मई 1857 को अंबाला से स्वतंत्रता आंदोलन की जो चिंगारी उठीए उसने पूरे देश में आजादी की अलख जगा दी। उस चिंगारी ने गुलामी की नींव हिला दी और भारतवासियों के दिलों में आजादी का सपना हिलोरे लेने लगा।

हमारी अस्मिता को चुनौती देने वालों दुश्मनों को हमारे वीर जवानों ने दिया करारा जवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर के सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने छछरौली में आयोजित उपमंडलस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजा रोहण किया। मौके पर उन्होंने परेड़ की सलामी ली और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उन्हें मनन किया। उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि हमारे असंख्य वीर शहीदों ने भारत की एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया। जब जब दुश्मन ने हमारी अस्मिता को चुनौती दी है। हमारे वीर जवानों ने दुश्मन को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हमारी आत्मा को झकझोर दिया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंकवाद को उसकी ही जमीन पर जवाब दिया। हमारी सरकार ने हमेशा शहीदों के परिवारों के सम्मान और भलाई को प्राथमिकता दी है। अक्तूबर 2014 से जून 2025 तक 410 शहीदों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी दी गई है। नौजवानों को सेना में भर्ती की तैयारी के लिए चरखी दादरी, हिसार और यमुनानगर में सशस्त्र बल तैयारी संस्थान खोलने का निर्णय लिया है। साथ ही रेवाड़ी में एक सैनिक संग्रहालय भी बनाने का प्रस्ताव है। हरियाणा की धरती वीरता की प्रतीक रही है। विधायक ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में हुए क्रांतिकारी बदलाव प्रधानमंत्री के साहसिक और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैं। पीएम किसान सम्मान निधि समेत अनेको जनकल्याणकारी योजनाएं शुरु की गई हैं। प्रदेश में 10 नए आईएमटी स्थापित किए जा रहे हैं।

यमुनानगर । छछरौली में आयोजित उपमंडलस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते हुए विधायक घनश्याम दास अरोड़ा।

यमुनानगर। स्वतंत्रता समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते हुए एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

शहीदों के अनुपम बलिदान की बदौलत आज ले रहे हैं खुली हवा में सांसः नरेंद्र

रादौर। रादौर की अनाज मंडी में आयोजित उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एसडीएम नरेन्द्र कुमार ने ध्वजा रोहण किया और परेड़ की सलामी ली। मौके पर उन्होंने उपमंडल स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने भूतपूर्व सैनिक सुरजीत कुमार, हरिओम अरोड़ा को सैना में रहते हुए साहस के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने के लिए सम्मानित किया। एसडीएम नरेंद्र कुमार ने कहा कि आज हर भारतवासी के लिए खुशी एवं गर्व का दिन है। इस पावन अवसर पर आजादी की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी ज्ञात अज्ञात शहीदों को नमन करता हूं और उन वीर सैनिकों को भी सलाम करता हूं। मौके पर उन्होंने एसडीएम कार्यालय के कुलविंदर सिंह, सुमित कुमार, राकेश कुमार, विशाल, उपमंडल अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी कार्यालय के अमन कुमार, श्रवण कुमार, विक्की, रोबिन, खंड कृषि अधिकारी कार्यालय के राजेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को अपने भविष्य का ध्यान रखकर करनी चाहिए पढ़ाईः गुप्ता

यमुनानगर। जेएन कपूर डीएवी (सी) डेंटल कॉलेज यमुनानगर में रैगिंग विरोधी सप्ताह के अंतर्गत रैगिंग विरोधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में हिमाचल इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस पावंटा साहिब के प्राचार्य डॉ. राजन गुप्ता ने भाग लिया। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रुप में गुरुग्राम के सेशन जज अजय वर्मा मौजूद रहे। मुख्य वक्ता डॉ. राजन गुप्ता ने विद्यार्थियों को रैगिंग से दूर रहने के लिए प्रेरित किया और इसके नकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रैगिंग के चक्कर में पड़कर छात्र न केवल अपना भविष्य खराब करते हैं। बल्कि अपने अभिभावकों के सपनों को चकनाचूर कर देते हैं। उन्होंने कहा कि रैगिंग को अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया है।

रादौर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

रादौर। रादौर खंड के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शिक्षण संस्थानों में बच्चों ने सांस्कृतिक समेत विभिन्न देश भक्ति से संबंधित गतिविधियों में भाग लेकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, शिक्षण संस्थानों में ध्वजा रोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया गया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय टोपरा खुर्द में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में पूर्व सैनिक सरदार रविंद्र सिंह, सरदार जसविंदर सिंह ने ध्वजारोहण कर देश के शहीद क्रांतिकारियों को याद किया। इस अवसर पर सरपंच देवेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि फाजीजी हमारे देश की शान है। मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मनोज, शिव कुमार, कृष्ण लाल, दर्शनी देवी, सुरेशों देवी व रेणु आदि मौजूद रहे।

ये देश है वीर जवानों ..गीत पर झूमे बच्चे, बूढ़े और जवान

यमुनानगर। ये देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का इस देश का यारों क्या कहना...देशभक्ति गीत पर बच्चों, बूढ़ों व जवानों ने झूमकर स्वतंत्रता दिवस मनाया। शहर के ग्रीन पार्क में स्वतंत्रता दिवस पर ग्रीन पार्क कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।। र्यक्रम में राजकीय प्राथमिक पाठशाला रामपुरा के बच्चों, अध्यापकों के साथ साथ ग्रीन पार्क कॉलोनी के निवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में सीनियर सिटीजन रामस्वरूप भाटिया ने भाग लिया। एसोसिएशन के प्रधान दविंदर मेहता ने कहा कि देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम एसोसिएशन समय समय पर करवाती रहती है । ताकि नई पीढ़ी में देश भक्ति का जज्बा बना रहे। उन्होंने कहा हर इंसान को प्रतिदिन एक या दो कार्य समाज के लिए जरुर करने चाहिए । चाहे आप सड़क के बीच पड़े पत्थर को हटा देए चाहे किसी असहाय को सड़क पार करवाने में मदद कर दें।

शिक्षकों को समझाया इफेक्टिव कम्युनिकेशन और अभिभावक एंगेजमेंट का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल में एजुकेटिंग पेरेंट्स अबाउट एजुकेशन विषय पर इन हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक रोहित भोला ने मुख्य वक्ता के रुप में भाग लिया।

मुख्य वक्ता रोहित भोला ने ट्रेनिंग सत्र में शिक्षकों को इफेक्टिव कम्युनिकेशन, पॉजिटिव फीडबैक और अभिभावक एंगेजमेंट के महत्व को समझाया।

उन्होंने उदाहरणों और केस स्टडीज के माध्यम से बताया कि कैसे पेरेंट्स को एजुकेशन में सहभागी बनाकर बच्चों की पढ़ाई और सेल्फ. कॉन्फिडेंस में सुधार किया जा सकता है। मौके पर टाचस न रालप्ल एक्टावजाट क जारए व्यवहारिक अनुभव प्राप्त किया। सत्र के अंत में सभी टीचर्स ने लर्निंग आउटकम्स को अपनाने और अपने क्लासरूम प्रेक्टिसेस में लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका ने बताया कि हमारे स्कूल का उद्देश्य केवल बच्चों को पढ़ाना नहीं है। बल्कि पेरेंट्स के साथ मिलकर उनके ओवरऑल डेवलपमेंट में योगदान देना भी है। इस तरह की ट्रेनिंग हमारे टीचर्स को नई टेक्नीक्स और एप्रोचेस से अवगत कराती हैए जिससे वे पेरेंट एंगेजमेंट को और अधिक प्रभावी बना सकें। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों को उनकी सक्रियता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कूल और अभिभावकों के बीच स्ट्रांग कोलेबोरेशन को बढ़ावा देते हैं और बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में इन हाउस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को जानकारी देते हुए मुख्य वक्ता।

शहीदों को याद नहीं रखने वाली मिट जाती हैं कौमें

यमुनानगर । स्वामी विवेकानंद ग्रीन पार्क एसोसिएशन हुड्डा सेक्टर-17 के द्वारा पार्क में हर्षोल्लास व उत्साह से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस दौरान पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में समाजसेवी वीरेंद्र कुमार अरोड़ा व प्रियांक कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया। मौके पर एसोसिएशन के सदस्यों व बच्चों ने देश भक्ति के गीतों से वातावरण को देश भक्ति से रंग दिया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के प्रधान दविंद्र राणा ने अध्यक्षता की। मुख्यातिथि वीरेंद्र कुमार अरोड़ा व प्रियांक कुमार शर्मा ने कहा कि हमारे असंख्या वीर शहीदों ने अपनी शहादत देकर इस देश को आजाद करवाया। हमें उनकी शहादत को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने शहीदों को याद नहीं रखने वाली कौमे मिट जाती हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों का यह दायित्व बनता है कि वह समाज के सभी धर्मों के लोगों को जोड़ कर चलें और देश को धर्मों और जातियों में ना बांटे। मौके पर प्रियांक कुमार शर्मा ने कहा कि हमें सदैव आजादी में बलिदान देने वाले शहीदों को हमेशा याद रखना चाहिए। वहीं, आपस में मिलजुल कर देश की एकता एवं अखंडता के लिए कार्य करने और समाज के हर गरीब तबके तक सरकारी सुविधाओं को पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। सही मायने में आजादी तभी होगी जब समाज का निचला तबका ऊपर उठेगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान दविंद्र राणा व कोषाध्यक्ष सचिन कांबोज ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। मौके पर डॉ. राम मरोसे,ज्ञान चंद कपूर, रमेश राणा, सुदेश कांबोज, पवन कांबोज, सुनील जैरथ, सुनील सिंगला, भूपेंद्र चौहान, नरेश गुप्ता, अरविंद मंगला, सुनील मदान, नरेश हांडा, केबी मेहता व चरणजीत मक्कड आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कुरुक्षेत्र में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया ध्वजारोहण

हरियाणा की धरती खेती के साथ वीरता में भी अग्रणी : पंवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा की धरती केवल खेती बाड़ी में ही नहीं बल्कि वीरता में भी अग्रणी रही है। इस पावन धरा को लेकर इतिहास के पन्ने गवाह है कि 10 मई 1857 को अंबाला से स्वतंत्रता आंदोलन की चिंगारी उठी और इस चिंगारी से पूरे देश में आजादी की अलख जगी। इस पहली चिंगारी की स्मृतियों को संजोने के लिए ही प्रदेश सरकार अम्बाला छावनी में एक भव्य शहीदी स्मारक का निर्माण कर रही है। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार शुक्रवार को पिपली अनाज मंडी में जिला प्रशासन की तरफ से आयोजित जिला स्तरीय 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, उपायुक्त महावीर प्रसाद, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी ने लघु सचिवालय शहीदी स्मारक पर अमर शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर परम्परा अनुसार श्रद्धांजलि अर्पित की है। कैबिनेट मंत्री ने पिपली अनाज मंडी के प्रांगण में ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण करने के उपरांत मार्च पास्ट की सलामी भी ली है। कैबिनेट मंत्री ने सोमवार को स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री ने बच्चों के पास जाकर सामूहिक चित्र करवाया और राष्ट्रगान की प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को प्यार स्वरूप 2100 रुपए की राशि भी दी है। कैबिनेट मंत्री ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन है, जो हमें याद दिलाता है मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। आज पूरा भारत तिरंगामय है, हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है और हर कौने में देशभक्ति की गूंज है। तिरंगा हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह पर सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों में हरभजन कौर, सुरजीत कौर, कृष्णा देवी, सुखविन्द्र कौर, दलजीत कौर, दलजीत कौर, ममता शर्मा, पावर्ती देवी, धन्नी देवी, गुरमीत कौर, संतोष कुमारी, जसबीर कौर, आरडी गोयल, सुखपाल सिंह को सम्मानित किया।

तिरंगा हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक : कंवलजीत कौर

शाहबाद। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने कहा कि आज पूरा भारत तिरंगामय है, हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है और हर कौने में देशभक्ति की गूंज है। तिरंगा हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। आज हम उन ज्ञात-अज्ञात शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने आजादी से पहले और बाद में, भारत की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर शुक्रवार को उपमंडल शाहबाद की अनाज मंडी में उपमंडल प्रशासन की तरफ से आयोजित 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में बोल रही थी। इससे पहले जिप चेयरमैन ने अमर शहीदों को पुष्प चक्र भेंट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिप चेयरमैन ने उपमंडल शाहबाद में स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया

और परेड का निरीक्षण करने के उपरांत मार्च पास्ट की सलामी ली। इस कार्यक्रम में जिप चेयरमैन ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और वीरांगनाओं को प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया।

राष्ट्र की एकता व अखंडता का लिया प्रण

कुरुक्षेत्र। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर युवा जेजेपी नेता डॉ. जसविंदर सिंह खैहरा ने अपने निवास स्थान खैहरा फार्म, लुखी में ध्वजारोहण कर राष्ट्र की आन-बान-शान तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम सादगीपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. खैहरा ने तिरंगे के नीचे खड़े होकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह उन अनगिनत बलिदानों को याद करने का अवसर है जिनके कारण हमें यह आजादी मिली।

धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर- 3 विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्रबंधक गुलशन ग्रोवर एवं प्रबंध समिति की सदस्य श्रीमती विजेश्वरी उपस्थित रहे। प्रातः सबसे पहले ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

स्कूलों में भी धूमधाम ने मनाया स्वतंत्रा दिवस, किया ध्वजारोहण

वीर अभिमन्यु स्कूल

कुरुक्षेत्र। गांव अमीन के वीर अभिमन्यु सीनियर सेकेंडरी स्कूल में डॉ.रामराज कौशिक द्वारा ध्वजारोहण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि आज हम विशेष दिन का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। वह दिन है 15 अगस्त यानि आजादी का दिन जब भारत स्वतंत्र हुआ था। 15 अगस्त केवल झंडा फहराने का दिन नहीं यह आशा जगाने का दिन है। इसलिए हमें एक जिम्मेदार नागरिक बनकर एक दूसरे की मदद करनी चाहिए।

महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल

कुरुक्षेत्र। हर वर्ष की भांति महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल कुरुक्षेत्र के प्रांगण में देश का 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यन्त उत्साह से मनाया गया। उत्सव के प्रारंभ में विद्यालय प्रधानाचार्या महोदया का संबोधन अत्यंत ऊर्जा युक्त कर गया। ध्वजारोहण हेतु जैसे ही मंच पर विद्यालय प्रधानाचार्या महोदया, अतिथिगण विशाल यादव असिस्टेंट प्रोफेसर आईबीपीजी कॉलेज पानीपत तथा अक्षि गोयल अन्य शिक्षकगण आए, सबके मन हर्षाए। सभी का आभार व्यक्त करते हुए उप प्रधानाचार्य ने संपूर्ण विद्यालय परिवार की ओर से प्रेषित की शुभकामनाएं।

नवयुग स्कूल

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आज स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के डायरेक्टर श्री बी डी गाबा तथा प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा ने ध्वजारोहण कर के तिरंगे को सलामी दी। तत्पश्चात कक्षा नवम की छात्राओं ने विकसित भारत थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कक्षा अष्टम के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाने वाली देशभक्ति से ओतप्रोत लघु नाटिका प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने विद्यालय प्रांगण में रंगोली बनाकार देश के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यापिका कोमल ने बच्चों को भारत के इतिहास के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा, को ऑर्डिनेटर ऋतु चौधरी, अध्यापिका मंजीत, सीमा, नैंसी, परमज्योति, नीतू, सोनिया आदि मौजूद रहे।

गीता कन्या विद्यालय

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवम हिन्दू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त मानद फ्लाइट लेफ्टिनेंट जय भगवान शर्मा मुख्य अतिथि तथा विद्यालय की पूर्व छात्रा पिंकी बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कलेर, उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र जांगडा, प्रबंधक बलबीर प्रकाश, शिक्षाविद् डॉ हरि प्रकाश शर्मा, महिला प्रतिनिधि श्रीमती अंजलि शर्मा, प्राचार्या सुमन बाला तथा डी.एन महिला महाविद्यालय की पूर्व प्रिंसिपल एवं वर्तमान में गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर 3 की सदस्या श्रीमती विजयेश्वरी जी उपस्थित रही।

ध्वजारोहण कर तिरंगे को दी सलामी

लाडवा। रोटरी भवन में ध्वजारोहण करते रोटरी प्रधान व अन्य।

लाडवा। रोटरी क्लब लाडवा ने रोटरी भवन में ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। रोटरी प्रधान संजीव जिंदल ने ध्वजारोहण करने के पश्चात 79 वे स्वतंत्रता दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी भारतवासी उन सभी क्रांतिकारियों, योजनाकारों व वीर सपूतों को नमन करते है, जिनके प्रयासों व बलिदानों की वजह से हम स्वतंत्रता हासिल कर पाए। साथ ही नमन उन सभी वीर जवानों को जो सीमा पर दिन रात प्रहरी बनकर हमारी रक्षा करते हैं। रोटरी सचिव दुर्गेश गोयल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य मौजूद थे।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

कुरुक्षेत्र। जिला कांग्रेस भवन में संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मेवा सिंह।

कुरुक्षेत्र। कांग्रेस भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मेवा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इससे पहले जिलाध्यक्ष मेवा सिंह ने शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर पिहोवा के विधायक मनदीप चट्ठा, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, युवा कांग्रेस नेता हिमांशु अरोड़ा, जिप सदस्य कंवरपाल काला, युवा कांग्रेस के जिला प्रधान कुलदीप ढिल्लो हथीरा, युवा कांग्रेस के हलका प्रधान कुलदीप सैनी सुंदरपुर, नगर पार्षद मनु जैन, पार्षद प्रिंस, जयपाल पांचाल, मेहर सिंह रामगढ़ आदि मौजूद रहे।

शहीदों को श्रद्धासुमन की अर्पित

कुरुक्षेत्र। किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल, सेक्टर-3 में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामेंद्र सोनी युवा भाजपा नेता, दुष्यंत बक्शी नगर पार्षद, बिट्टू मित्तल एम.ए.सी. प्रधान, सुखजिंदर सिंह प्रधान गुरुद्वारा सिंह सभा सेक्टर-3, जोगिंद्र चौहान प्रधान शिव मंदिर सेक्टर-3, देवेंद्र राणा उपाध्यक्ष आर.डब्ल्यू.ए, राजिंदर, कंवलजीत सिंह, नरेश सैनी, विवेक शर्मा, विजय लक्ष्मी एवं एडवोकेट डॉ. कुलदीप के कर कमलों से ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिंकू सैनी ने की। इस दौरान शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर विश्व शांति की प्रार्थना की गई। कक्षा पहली से लेकर तीसरी तक के छात्रों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने सुभाष चंद्र बोस, झांसी की रानी, महाराणा प्रताप आदि के रूप में आकर शानदार प्रस्तुति दी।

भारतीय योग संस्थान ने कार्यक्रम का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। योगाश्रम मिजार्पुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित भारतीय योग संस्थान के अधिकारी एवं साधकगण।

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान द्वारा योगाश्रम मिजार्पुर में देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस सभी स्थानीय योग जिलों द्वारा मिलकर बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लाह से मनाया गया। संस्थान के प्रांतीय कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रांतीय संगठन मंत्री गुलशन कुमार ग्रोवर, पूर्व प्रांतीय मंत्री मानसिंह, पूर्व प्रांतीय संगठन मंत्री एवं हरियाणा योग आयोग के सदस्य मनीश कुकरेजा, स्थानीय संरक्षक हरि राम जोशी एवं ए पी जैन, सहित जिलाधिकारियों सुमन तोमर, शिव कुमार, रेखा गोयल, सीमा सांगवान, जगवीर सांगवान, देवी दयाल सैनी, विपन गोयल, मनीराम सैनी, सत पाल सिंह इत्यादि ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को सलामी देते हुए जय हिंद का उद्घोष किया।

स्वतंत्रता लोकतान्त्रिक राष्ट्र का अधिकार : विकास

लाडवा। महाराजा अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सभा के सदस्य।

लाडवा। श्रीअग्रवाल सभा लाडवा द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर लाडवा के महाराजा अग्रसेन चौक पर स्वतंत्रता समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ सभा के प्रधान विकास सिंघल द्वारा महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इसके बाद सभा के प्रधान विकास सिंघल ने महिला इकाई की प्रधान वीना बंसल व युवा इकाई के प्रधान अमन गर्ग के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान गाकर प्रसाद वितरित किया गया। सभा के महासचिव दुर्गेश गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिन्हें सभा द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

गुरुकुल परिसर विद्यालय भवन में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल विद्यालय देवयान परिसर में 79वाँ स्वतंत्रता दिवसर धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने गीत स्वदेश और जय हो गाकर उपस्थित श्रोताओं को करतल ध्वनि करने पर विवश कर दिया। अंग्रेजी भाषा में भाषण के माध्यम से ब्रह्मचारियों वरूण शर्मा और कुमार अंश ने स्वतंत्रता की आजादी में अपने बलिदान देने वाले वीरों और अपने देश भारत की एकता, अखंडता, और शौर्य के प्रति हमारे क्या कर्तव्य होते हैं यह बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ किया गया। गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, उप प्रधान सतपाल आर्य निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप व्यवस्थापक एवं रामनिवास ने कार्यक्रम ने शिरकत की। इस अवसर पर गुरुकुल के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि 79वाँ स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए गौरव का विषय है।

स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में बताया

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस बहुत ही हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन ने ध्वजारोहण कर किया। ध्वज के सम्मान में छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। प्रधानाचार्य ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया और कहा कि स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले शहीदों की शहादत को हमें भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने बच्चों को देशभक्ति के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्रों ने देशभक्ति के गीत, भाषण व कविताएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर मनोज भसीन, वाइस प्रिंसिपल सतबीर सिंह, राजबीर, संजय, ममता जैन, दीपिका, राहुल, कल्पना, सरबजीत, पूजा डिंपल, हरविंदर, समृति, मोनिका, चाँद, उषा, सीमा वृंदा गर्ग, पायल, आरती, कल्पना डिंपल, आशा, मेहंदी, सतनाम सुदर्शना ,जसविंदर कौर, एर्षदीप, नीलम, गुंजन, अमन कौर, बिंदरी, अनु शर्मा, अनु अग्रवाल, लीना, मीना, अंजना, मोहसिन, मनदीप, शिवम, पूजा आदि स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

राहत ठीक करवाने के लिए सांसद जिंदल ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को लिखा था पत्र

नेशनल हाईवे 152डी पर बंद पड़ी लाइटें दुरुस्त

- लाइटों के बंद होने से वाहन चालकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

नेशनल हाईवे 152 डी गंगहेड़ी नारनौल पर गांव मुर्तजापुर के निकट कुरुक्षेत्र रोड कट के नजदीक बंद पड़ी लाइटों को दोबारा चालू कर दिया गया है। इन लाइटों के बंद होने से वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। लाइट दोबारा ठीक करवाने पर आसपास के गांव के ग्रामीण जगत सिंह चंडीगढ़ फॉर्म, मनजीत सिंह, रामपाल गोलन, रमेश कुमार सहित कई लोगों ने सांसद नवीन जिंदल का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि सांसद नवीन जिंदल ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र क्रमांक एमपी/ केकेआर/ 1070 लिखा था। पत्र के माध्यम से सांसद नवीन जिंदल ने केंद्रीय मंत्री से मांग की थी कि गंगहेड़ी से नारनौल तक जाने वाला 152 डी हाइवे मुख्य मार्ग है। इस पर पिहोवा कुरुक्षेत्र के लिए उतरने वाले एग्जिट प्वाइंट के आसपास की सभी लाइटें बंद पड़ी हैं। इससे वाहन चालक भ्रमित होकर रास्ता भटक जाते हैं और रात के समय वे आगे निकल जाते हैं। अंधेरा होने से इस रोड पर चलने वाले लोगों को बेहद परेशानी हो रही है। अंधेरे के चलते रात में यहां से गुजरते समय वाहन चालक असुरक्षा का भाव भी महसूस कर रहे थे। ग्रामीणों की मांग पर सांसद जिंदल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर समस्या हल करने की मांग की थी। जिसका संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय से लाइटों को दुरुस्त करने का संदेश भी सांसद कार्यालय को प्राप्त हुआ और इस कार्य को पूरा करके सभी लाइटों को चालू कर दिया गया है।

एक शाम देश के नाम कार्यक्रम ने बिखेरा रंग

कुरुक्षेत्र। जे.सी.आई. कुरूक्षेत्र सिटी द्वारा एक शाम देश के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जे.सी.आई. के दिल्ली जॉन 10 प्रधान राहुल सिंगला, जींद से आई.जैड.पी. सुनील माटा और गोहाना से पास्ट जॉन अध्यक्ष नीरज मेहता ने शिरकत की। जे.सी.आई. कुरूक्षेत्र सिटी से कार्यक्रम संयोजक बृजेश किंगर ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शजे.सी.आई. कुरूक्षेत्र सिटी प्रधान चंदन अरोड़ा, सेक्रेटरी विकास आनंद, कोषाध्यक्ष राजवीर सैनी ने पूर्व मंत्री सुभाष सुधा का स्वागत किया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज चौधरी, विशाल कालरा, महेश शर्मा, यतिन मलिक रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए ड्रीम म्यूजिकल ग्रुप के प्रतिभागी अभिषेक अग्रवाल, सुशील भार्गव, राजीव शर्मा, सिंगर गुरमीत सिंह, डॉ माधविका मदान, डॉ सुप्रिया शर्मा, विशाल शर्मा, योगेश्वर जोशी और आंशु विरमानी ने देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इस दौरान ललित आनंद, विजय बजाज, सुनील मित्तल, पवन विरमानी, जसपाल नैन, मनोज पृथी, विशाल सहगल, अमित गुलाटी, किरण तनेजा, साहिल गुप्ता, डॉ मनीष मदान, गुंजन चावला, अनुज सिंगल, प्रदीप गर्ग, विनोद आर्य, जे.पी. कंबोज, अमन, विशाल कालरा आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

कुरुक्षेत्र। वात्सल्य वाटिका एवं शिव शक्ति आश्रम में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। संस्थापक स्वामी हरिओम दास परिव्राजक के सान्निध्य में विद्यार्थियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। इससे पूर्व ध्वजारोहण किया गया, जिसमें भाजपा नेता राजकुमार सैनी, आशीष सभ्रवाल, धीरज गुलाटी, विवेक रावत व सुरेश जोशी आदि शामिल हुए। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इन गीतों ने दर्शकों से खूब तालियाँ बटोरी और सभी के मन में देश भक्ति की भावना हिलोरे लेने लगी। स्वामी हरीओम दास परिव्राजक ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता दिवस की कहानी बहुत बड़ी है, न जाने कितने स्वतंत्रता सेनानियों ने इस दिन के लिए शहीद हुए और हमें आज एक स्वतंत्र देश प्रदान किया।

समारोह के दौरान परेड़ का निरीक्षण

सलामी लेते राज्यपाल डॉ. असीम कुमार घोष

मलखंभ पर ताकत दिखाते स्कूली छात्र

अंबाला से फूटी थी स्वतंत्रता आंदोलन की पहली चिंगारी

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में बोले राज्यपाल डॉ. असीम कुमार घोष, ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

रंगारंग प्रस्तुतियों से स्कूली छात्राओं ने मचाया धमाल, मलखंभ पर छात्रों ने दिखाई ताकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पूरे जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जिला व उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस को लेकर कई समारोह का आयोजन किया गया। इसके अलावा शिक्षण संस्थानों में भी देश के आजादी दिवस की धूम रही। राज्य स्तरीय समारोह अंबाला शहर के पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित किया गया।

जांबाज मोटरसाइकिल सवार।

यहां प्रदेश के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इससे पूर्व उन्होंने पुलिस लाईन परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर स्वतंत्रता दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने समारोह में युद्ध वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सैनानियों के परिजनों, आपातकालीन व हिन्दी आदोंलन में भाग लेने वाले महानुभावों को भी सम्मानित किया। घोष ने अपने संदेश में कहा कि वे दिन-रात देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों को स्वतंत्रता दिवस की विशेष रूप से बधाई देते हैं। 79 साल पहले वर्ष 1947 में इस दिन हर भारतवासी का आजादी पाने का सपना साकार हुआ था। यह दिन उन अनगिनत शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का भी अवसर है जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर हमें यह आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि हर प्रदेशवासी को इस बात का गर्व है कि उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता आन्दोलन की पहली चिंगारी 8 मई 1857 को अंबाला से ही फूटी थी। उन सेनानियों की याद में यहां 'आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक' 538 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी दुनिया ने हमारी स्वदेशी तकनीक और हथियारों की ताकत देखी है। यही नहीं, हमारी सेना ने ऑपरेशन महादेव चलाकर पहलगाम के गुनाहगारों को उनकी करनी की सजा भी दी है। भारत की इस गौरवपूर्ण विकास यात्रा में हर कदम पर हर भारतीय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अब जब हम आजादी का पर्व मना रहे हैं तो मुझे खुशी है कि हरियाणा सरकार ने पिछले साढ़े 10 वर्षों में प्रदेश की जनता को भेदभाव करने वाली व्यवस्था से आजादी दिलाई है। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने जिला प्रशासन की ओर से राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष को स्मृति चिह्न व शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन भी किया।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन सम्मानित

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। इनमें प्रेमनगर की वीना रानी, विराट नगर के सविंद्र सिंह, मॉडल टाउन के डॉ. राजीव मोहन राय व संजीव मोहन राय, सुशीला देवी, घेलरोड़ की कृष्णावंती, आशा सिंह गार्डन के संजीव कुमार छिब्बर, खुर्चनपुर गांव की फूलवती, गांव दानीपुर की विद्या देवी, मटेडी सेखां के सलिंद्र सिंह, बलदेवनगर की सुरेश बाला, मालगोदाम रेलवे रोड की दयावंती, जैन कालेज रोड की कमलेश, रेलवे रोड की बंत कौर, रणजीत नगर के हरबंस लाल, काजीवाड़ा की जगदीश कौर, मोहल्ला सोगियां की कैलाश कुमारी, सेक्टर 10 की निर्मला देवी, हरि मंदिर के लालजीत सिंह, कलालमाजरी की कुलवंत कौर, सैक्टर 10 की दमयंती, पटेल रोड के त्रिलोचन सिंह, बादशाही बाग कॉलोनी से रणबीर सिंह कीर, सैक्टर 9 से दिलबाग सिंह, सैक्टर 23 वाटिका विहार से नीरू दत्ता शामिल हैं। इस मौके पर महामहिम राज्यपाल ने युद्ध वीरांगनाओं को भी सम्मानित किया। इनमें रोजगार्डन कॉलोनी बरनाला की कुलदीप कौर, सैनिक विहार की जसबीर कौर, जनसुई की गुरविंद्र कौर, बलदेवनगर की कमलेश कुमारी, जनसूई से कुलविंद्र कौर शामिल हैं।

इन्हें भी मिला सम्मान

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सराहनीय कार्य करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस कर्मचारियों, खेल गतिविधियों व शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों तथा अन्य गतिविधियों में बेहतरीन कार्य करने वाले लोगों को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें आशा सिंह गार्डन से डॉ. साहिल कंसल, एमडीएसडी महाविद्यालय से डॉ. मंजू तोमर, कच्चा बाजार से सुनैना गुप्ता, जगदीश लाल, मेडिकल ऑफिसर डॉ. मयंक गुप्ता, चंद्रपुरी कॉलोनी से हर्ष, ग्रीन पार्क महेशनगर से दिविका, कांशी नगर से पावनी, रजौली सरपंच सुनीता रानी, समाजसेवी विजय चड्ढा, निरीक्षक हरजिंद्र सिंह, उप निरीक्षक जय कुमार, हैड कांस्टेबल मनदीप सिंह, उप निरीक्षक सुलतान सिंह, सब इंस्पेक्टर शंभू लाल, डॉ. प्रीति गुप्ता, गुरप्रीत कौर, डॉ. भारती विज, संजीव वालिया, डॉ. आरके अनेजा, कुमारी व अंशिका गोयल शामिल हैं। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, उपायुक्त अजय सिंह तोमर, आईजी पंकज नैन, प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट प्रशांत राणा, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, मेयर शैलजा सचदेवा, आईपीएस आयुष यादव, एएसपी उत्तम, नगर निगम से एएमसी दीपक सूरा, एसपी सीईआईडी राकेश कालिया, अतिरिक्त उपायुक्त महेन्द्र पाल, एसडीएम दर्शन कुमार, सीईओ जिला परिषद गगनदीप, आरटीए सुशील कुमार, नगराधीश अभिषेक, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार, जीएम रोडवेज अश्वनी डोगरा, रितेश गोयल भी मौजूद रहे।

शिक्षा-खेल में प्रदेश अग्रणी: घोष

राज्य स्तरीय कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल ने पुलिस ऑफिसर इंस्टीट्यूट में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये दिन हमारे इतिहास का महत्वपूर्ण दिन है। मुझे इस महत्वपूर्ण दिन पर यहां पर आने का गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जो प्रस्तुतियां दी गई है वह काबिले तारीफ थी। कहा कि देश के हीरो नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी समेत कई क्रांतिकारियों ने हमें आजादी दिलाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृतव में प्रदेश लगातार विकास की राह पर चल रहा है। शिक्षा, खेल समेत हर क्षेत्र में प्रदेश अग्रणी है। प्रदेश का राज्यपाल होने के नाते उन्हें इस बात की खुशी है।

अंबाला से उठी चिंगारी ने हिलाई थी गुलामी की नींव

- एसडीएम एसडी कॉलेज में उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला छावनी के एसडीएम विनेश कुमार ने एसडी कॉलेज में उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में एसडीएम ने सबसे पहले एसडी कॉलेज परिसर में स्थित शहीदी स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके उपरांत उन्होंने परेड का निरीक्षण भी किया। एसडीएम विनेश कुमार ने यहां अपने संबोधन में कहा कि यह दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन है जो हमें याद दिलाता है मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उन वीर सैनिकों को प्रणाम करता हूं, जो देश की सीमाओं पर विपरित परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान को बरकरार रखे हुए हैं, जिनकी बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगामय है, हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है और हर कौने में देशभक्ति की गूंज है।

अंबाला। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कार्यक्रम पेश करती छात्राएं।

मंडल कमिश्नर संजीव वर्मा ने उपमंडल स्तरीय समारोह में किया ध्वजारोहण, परेड की सलामी भी ली

स्वतंत्रता दिवस पर पूरा देश तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणगढ़

मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अतिरिक्त अनाज मंडी में आयोजित उपमंडल स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने शहीदों के परिजनों व आपात काल के दौरान जो लोग जेल में बंद किए गए व यातनाएं सही (ऐसे लोकतंत्र के प्रहरियों को) तथा सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों सहित अन्य लोगों को भी सम्मानित किया। समारोह में पुलिस तथा विभिन्न स्कूलों की एनसीसी की टुकडिय़ों ने शानदार मार्च पास्ट किया और विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। यहां अपने संबोधन में वर्मा ने कहा कि वे उन वीर सैनिकों को प्रणाम करते हैं जोकि देश की सीमाओं पर विपरित परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान को बरकरार रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश तिरंगामय है। हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है और हर कौने में देशभक्ति की गूंज है। तिरंगा हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है।

नारायणगढ़। समारोह में परेड की सलामी लेते मंडल कमिश्नर संजीव वर्मा।

इन्हें मिला सम्मान

मंडल आयुक्त ने सिपाही रामस्वरूप की पत्नी गौमा देवी, सिपाही दयाल सिंह की पत्नी प्रकाश कौर, जंगूमाजरा के गनर निरजंन सिंह की पत्नी विद्याकौर, नेकनवां गांव के गनर हरि सिंह की पत्नी गुरनाम कौर, गधौली के सिपाही पवन कुमार के परिजन, धनाना के सिपाही साहिब सिंह की पत्नी सुनहरी देवी, सौंतली के सिपाही महेंद्र सिंह की पत्नी मंजीत कौर, बिचली धमौली के सिपाही शेर सिंह की पत्नी कृपाल कौर, गणेशपुर के सिपाही कश्मीर सिंह की पत्नी गुरमीत कौर, कोड़वा खुर्द के लांस नायक परमजीत सिंह की पत्नी देवेंद्र कौर, कोड़वाकलां के लांस नायक नरेंद्र सिंह की पत्नी परमजीत कौर, पतरेहड़ी के सिपाही नरेश कुमार की माता कमला देवी, शहजादपुर के गनर निर्मल सिंह की माता शशिप्रभा, सौंतली के सूबेदार मामचंद की धर्मपत्नी पुष्पा देवी तथा नसडौली की हरबंश कौर पत्नी सिपाही अर्जुन सिंह को सम्मानित किया गया। गांव कोडवा के सिपाही राम सिंह के परिजन इंद्र कौर, गांव कोडवा के सिपाही सुरजीत सिंह की माता गुरमीत कौर, गांव कोडवा के जसपाल सिंह की माता जसवंत कौर तथा गांव कोडवा के जसबीर सिंह की माता मित्र कौर को तथा बडागांव के एक्स आरएफएन रजाक मोहम्मद को सम्मानित किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस पर 91 युवाओं ने किया रक्तदान

- सौंटी वेलफेयर सोसायटी की ओर से शिविर का हुआ आयोजन, गोगा माड़ी मेले में भी संतों ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सौंटी वेलफेयर सोसायटी के द्वारा शिव मंदिर में गोगा मेडी मेले व स्वंतत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 12वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि साहब सिंह, समाजसेवी, गेस्ट ऑफ़ ऑनर महंत पुरुषोत्तम दास , महंत शंभू नाथ , महंत जगन्नाथ पुरी ठसका मीरां जी , सरपंच प्रतिनिधि अजैब सिंह , विशिष्ट अतिथि जसबीर सिंह सौंटी, सुभाष मंत्री जनसुई मंडल ने शिरकत की। कमेटी के मेंबर्स ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि साहब सिंह ने स्वतंत्रता दिवस व रक्तदान शिविर के आयोजन पर बधाई दी। उन्होंने कहा की प्रगतिशील समाज का निर्माण निस्वार्थ सेवा से ही संभव है। उन्होंने ने कहा की रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्यूंकि ये जरुरतमंदो को जिंदगी देता है। उन्होंने युवाओं को इस महायज्ञ में बढ़चढ़कर भाग लेने का संदेश दिया। महंत पुरुषौतम दास ने राष्ट्र के कल्याण का संदेश दिया। परोपकार के रस्ते को अपनाकर युवाओं को अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर ऐसे आयोजनों की प्रेरणा दी। महंत शंभू दास ने समाज सेवा और अपने कर्तव्यों के वहन पर जोर दिया और कहा की ऐसे आयोजन समाज की जड़ों को मजबूत करते हैं। महंत जगन्नाथ पुरी ने रक्तदान शिविर की व कमेटी की प्रशंसा करते हुए कहा की युवा होने का अर्थ सही मायनों में ये ही है की हमारा खून किसी को नई रोशनी देगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। जसबीर सिंह और सुभाष ने भी सभी रक्तदाताओं को बधाई दी। सौंटी वेलफेयर सोसायटी के प्रधान सुखबीर सिंह पोसवाल ने बताया की ये कमेटी का 12 वां रक्तदान शिविर है। इसके साथ साथ हमारे मेंबर्स समय समय पर जरूरतमंदो के लिए खून की व्यवस्था करते हैं।

अंबाला। शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते मुख्यअतिथि व अन्य।

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी उत्सव की धूम

बराड़ा। संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल बराड़ा में स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति और भक्ति का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के विद्यार्थियों ने हांडी फोड़ प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में 'ऐ मेरे वतन, जय हो, वंदे मातरम' जैसे गीतों पर प्रस्तुत नृत्य, गिद्धा और भांगड़ा ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे वातावरण को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या वरिंदर कौर और वाइस प्रिंसिपल हरविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता का महत्व बताया।

डीएवी स्कूल में आजादी का पर्व और जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई

बराड़ा। डीएवी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से देशभक्ति और सामाजिक संदेशों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। कक्षा चौथी से सातवीं तक के बच्चों ने 'मणिपुर-हरियाणा ट्विन स्टेट' थीम पर प्रदर्शनी लगाई, जिसमें दोनों राज्यों की कला, संस्कृति, परिधान, खान-पान, आभूषण और भाषाओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थियों के बीच 'जातिवाद, महिला उत्पीड़न, नशाखोरी और भ्रष्टाचार' जैसे विषयों पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने प्रभावशाली और स्पष्ट वक्तव्य देकर सबका ध्यान आकर्षित किया। नर्सरी से कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी वेशभूषाओं में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में बच्चे विशेष आकर्षण का केंद्र बने, जबकि कुछ बच्चे फौजी वेशभूषा में नजर आए।

बड़े बलिदानों के बाद मिली आजादी

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लास के साथ मनाया गया। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देसराज बाजवा ने तिरंगा फहरा कर एनसीसी कैडेट की परेड की सलामी ली। इस मौके पर कैडेट्स व स्टाफ सदस्यों को। संबोधित करते हुए बाजवा ने कहा कि हमें बड़े बलिदानों के बाद यह आजादी मिली है। इसीलिए इसकी गरिमा को बनाए रखने के लिए हर नागरिक को अपना सहयोग देना चाहिए। उन्होंने स्टाफ सदस्यों को अपने कर्तव्यों के निर्वाहन का आह्वान किया। छात्रों ने देशभक्ति गीतों पर डांस की प्रस्तुति व कविता पथ भी किया। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स को प्रशस्ति पत्र भी भेंट किए गए। मंच संचालन डॉ. पूनम राजौरा ने किया।

अंबाला। समारोह में एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित करते प्रिंसिपल देशराज बाजवा।

शैमरॉक व शैमफॉर्ड विद्यालय में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

शैमरॉक व शैमफॉर्ड विद्यालय बराड़ा में 79 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कैप्टन नरेंद्र सिंह चौहान एवं पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त धर्मराज सिंह चौहान रहे। दोनों ने विद्यार्थियों को देशप्रेम और जिम्मेदारी का संदेश देते हुए प्रेरक संबोधन किया।

इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी सविता दीदी व चेतना दीदी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विद्यालय संचालक इंद्रजीत सिंह, प्रधानाचार्या रूबी शर्मा एवं उप-प्रधानाचार्या सुमन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट कर किया। तत्पश्चात ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य, नाटक, कविता व गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। नन्हे शैमस्टार्स द्वारा प्रस्तुत 'ऑपरेशन सिंदूर' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। चयनित विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट करते हुए मंच पर आकर प्रधानाचार्या से ट्रॉफी प्राप्त की। स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ विद्यालय प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भी उल्लासपूर्वक मनाया गया।

गुड़ मंडी में कांग्रेसियों ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

अंबाला। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अंबाला शहर की गुड मंडी में आयोजित ध्वजारोहण समारोह देश भक्ति के रंग में सराबोर रहा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन अग्रवाल डिंपी ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अंबाला शहर के विधायक निर्मल सिंह ने शिरकत की इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल के उप प्रधान हरजीत सिंह बबल ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान तिरंगे के फहराते ही भारत माता की जय और 'वंदे मातरम' के नारों की आवाज से पूरा वातावरण गूंज उठा। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान गया। सभी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए देश की एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया शानदार प्रदर्शन

हरियाणा पुलिस सशस्त्र मधुबन की टुकड़ी ने मारी बाजी

- राज्यपाल प्रो. असीम घोष ने समारोह में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र व पुलिस के जवानों को भी किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

प्रदेश के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने समारोह में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्रों के अलावा पुलिस के जवानों को भी सम्मानित। इस दौरान छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी धूम मचाई। समारोह में विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा देशभक्ति, पंजाबी, राजस्थानी, बैंगोली आदि राज्यों की संस्कृति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही पुलिस की टुकड़ी द्वारा बुलेट मोटरसाइकल पर स्टंट दिखाकर बेहतरीन प्रस्तुति दी। इसी प्रकार पुलिस के घुडसवार दस्ते ने भी शानदार करतब दिखाए। समारोह में पुलिस के अलावा पीआरटीसी जहान खेला होशियारपुर पंजाब की टुकड़ी, राजकीय रेलवे पुलिस, हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन, जिला पुलिस की महिलाओं की टुकड़ी, एचएपी बटालियन मधुबन, जिला पुलिस की टुकड़ी, गृहरक्षी, एनसीसी तथा स्काउट की टुकडियों ने भी बेहतरीन परेड एवं मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। हरियाणा पुलिस अकादमी के बैंड ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। परेड का नेतृत्व कर रहे एसीपी आयुष यादव को भी राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस सशस्त्र मधुबन की टुकड़ी को पहला, पीआरटीसी जहान खेला होशियारपुर पंजाब की टुकड़ी को दूसरा स्थान व एचएपी महिला मधुबन पुलिस की टुकडी को तीसरा स्थान मिला। इसी प्रकार जूनियर विंग में एनसीसी की टुकडी ने पहला व स्काउटस की टीम को दूसरा स्थान मिला। इन सभी टुकडियों का नेतृत्व कर रहे प्लाटून कमांडर को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। महामहिम ने इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों व अन्य के साथ सामुहिक चित्र खिचवाकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

अंबाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रतिभा करने वाले छात्रों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाते राज्यपाल।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 17 अगस्त 2025

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

लुढ़कते लोटे

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तक: उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना),
संपादक: कैलाश बाजपेयी, **मूल्य:** 245 रुपए,
प्रकाशक: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मकई यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद : मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करने का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

विशिष्ट पेड़

वीना गौतम

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

यूजफुल डिवाइस

संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

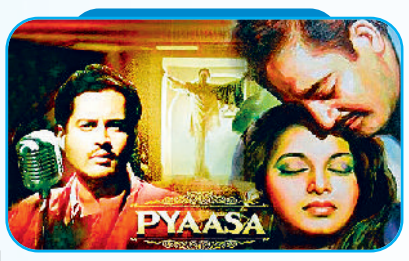

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *